स्क्रिझोफेनिया

अर्थ- यह दिर्घकालीन दिमागी बिमारी है। जिसमे दिमाग पूर्ण रुप से अव्यवस्थित हो जाता है। स्क्रिझोफेनिया के रोगी की विचारक्षमता आचरण व्यवहार मे परिवर्तन हो जाता है। जिससे क्या गलत क्या सही यह समझता ही नही। स्पष्ट विचार न होने से क्या बोलते कहाँ बोलते, एक विषय से चर्चा करते हुए दुसरे विषय पर चले जाना आदि।

स्क्रिझोफेनिया का खतरा क्यों बढता है?

यह रोग किस कारण से होता है अबतक पता नही चल पाया है। तनावपूर्ण जीवनशैली अथवा दुर्घटना इसका कारण हो सकती है।

निम्न कारणोंसे स्क्रिझोफेनिया खतरा बढता है।

- परिवार मे अगर किसी सदस्य को यह रोग हो तो
- नशा देनेवाले मादक पदार्थ (Amphetamine) एवं (Opites) का सेवन अथवा संपर्क मे आने से

स्क्रिझोफेनिया के लक्षण एवं स्थिती

- शक होना- रोगी हो निरंतर यह महसूस होता है की कोई व्यक्ती उसपर ध्यान दे रहा है।
- खोयापन- प्रत्यक्ष मे कुछ न होकर भी दिखना, अनुभव होना। जाँच करना सुनना अथवा गंध आना।
- अव्यवस्थित विचार एवं बोलचाल विषय से भटकना, रोगी की स्वयं की कल्पना एवं आवाज का उपयोग
- भावना हीनता- चेहरे पर कोई भाव नही, ना ही कोई प्रतिसाद
- आगे ना आना- निश्चित कार्य को करने के लिए सामने ना आना एवं ऐसी क्षमता को गवा देना।
- समाज से अंतर रखना- रोगी का परिवार एवं मित्रोंसे दूर जाना अंतर रखना।
- मानसिक स्थिती- एकाग्रता न रहकर स्मरण शक्ती पर परिणाम होता है। कार्य निर्धारण एवं करने मे अंतर दिखाई देता है।

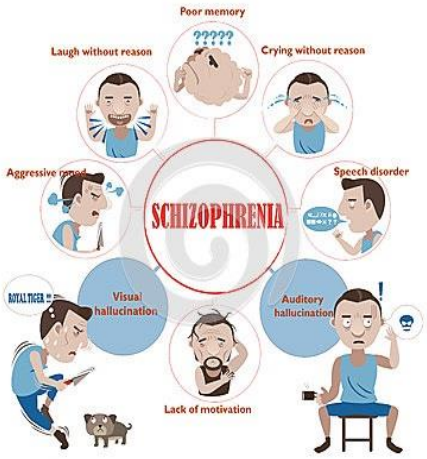

स्क्रिझोफेनिया रोग का निदान एवं जाँच कैसे किया जाता है?

- मानसिक दुर्घटना के इतिहास की संपुर्ण जानकारी हासिल की जाती हे जैसे की शारिरिक, लैंगिक अथवा मानसिक घटनाऐं।
- शराब अथवा नशीले पदार्थ का सेवन करते रहना।
- स्वयं की अथवा दूसरे की हत्या करने का विचार आने जैसा लगना।

उक्त प्रकार के प्रश्नों के योग्य उत्तर प्राप्त होने पर चिकित्सक को रोगी की दशा एवं उपचार की दिशा तय करने होती है।

स्क्रिझोफेनिया इस रोग पर कौनसी दवाऐं उपयोग मे लायी जाती है ?

- एन्टीसायकोटिक- (मनोरोगी दवायें) इस प्रकार की दवाओंसे रोगी का मनोविकार कम होता है। एवं विरोधी प्रखरता क्षीण होती है। इन दवाओंके साथ साथ Parkinson जैसे नसोंका कडकपन, अनिद्रा, कंपन की दवा भी दी जाती है ताकी ऐसे लक्षणोपर नियंत्रण हो सके।
- चिंतामुक्त हेतू दवायें- रोगी को चिंतामुक्त कर शांत रखने एवं आराम दिलाने केलिए यह दवाये दी जाती है।
- तनाव विरोधी दवायें- ऐसी दवाओसें तनाव कम होकर सोच चिंता भी कम होती है।
- अच्छी मनोवस्था- ऐसी दवाये देने से मनोवस्था अच्छी एवं उचित रहती है।
- नींद की दवा- ऐसी दवाओंसे शात एवं आराम मिलता है।

स्क्रिझोफेनिया का खतरा क्या है?

योग्य उपचार न मिलने से रोगी के लक्षणोंमे बढोतरी होती है। रोग के कारण ईलाज उपयुक्त नही हो पाता तथापि दूरी बनते जाती है। जिसके चलते खान पान एवं नींद की आदते बदल जाती है।

इसी के कारण अन्य बिमारीयाँ एवं रोगो के होने की संभावना रहती है।

स्क्रिझोफेनिया के कारण दिमाग (भेजे) को हानी पहुँचती है।

संदर्भ : मायक्रोमेडेक्स केअर नोट सेरीज ऑनलाईन